चेतक की वीरता

Chapter 11

मेरी समझ से

अब हम इस कविता पर विस्तार से चर्चा करेंगे। आगे दी गई गतिविधियाँ इस कार्य में आपकी सहायता करेंगी।

(क) नीचे दिए गए प्रश्नों का सटीक उत्तर कौन-सा है? उसके सामने तारा (★) बनाइए -

प्रश्न 1.

चेतक शत्रुओं की सेना पर किस प्रकार टूट पड़ता था?

• चेतक बादल की तरह शत्रु की सेना पर वज्रपात बनकर टूट पड़ता था।

• चेतक शत्रु की सेना को चारों ओर से घेरकर उस पर टूट पड़ता था ।

• चेतक हाथियों के दल के समान बादल के रूप में शत्रु की सेना पर टूट पड़ता था।

• चेतक नदी के उफान के समान शत्रु की सेना पर टूट पड़ता था ।

उत्तर:

• चेतक बादल की तरह शत्रु की सेना पर वज्रपात बनकर टूट पड़ता था।

प्रश्न 2.

'लेकर सवार उड़ जाता था।' इस पंक्ति में 'सवार' शब्द किसके लिए आया है?

• चेतक

• महाराणा प्रताप

• कवि

• शत्रु

उत्तर:

• महाराणा प्रताप

(ख) अब अपने मित्रों के साथ तर्कपूर्ण चर्चा कीजिए कि आपने ये ही उत्तर क्यों चुने ?

उत्तर:

विद्यार्थी स्वयं करें।

पंक्तियों पर चर्चा

पाठ में से चुनकर कुछ पंक्तियाँ नीचे दी गई हैं। इन्हें पढ़कर समझिए और इन पर विचार कीजिए। आपको इनका क्या अर्थ समझ में आया? कक्षा में अपने विचार साझा कीजिए और अपनी लेखन पुस्तिका में लिखिए।

(क) "निर्भीक गया वह ढालों में, सरपट दौड़ा करवालों में। "

उत्तर:

वह निडर होकर युद्ध के समय में भयानक भालों और तलवारों से सुसज्जित सेनाओं के बीच में जाकर उन पर प्रहार करता और नहरों, नालों आदि को पार करता हुआ बहुत तेज गति से बाधाओं में फँसने के बाद भी वह निकल जाता है।

(ख) " भाला गिर गया, गिरा निषंग, हय-टापों से खन गया अंग । "

उत्तर:

घोड़े की टापों से दुश्मन पूरी तरीके से घायल हो गए। उनके भाले और तरकस सभी जमीन पर पड़े थे।

मिलकर करें मिलान

कविता में से चुनकर कुछ पंक्तियाँ नीचे दी गई हैं। अपने समूह में इन पर चर्चा कीजिए और इन्हें इनके सही भावार्थ से मिलाइए। इसके लिए आप

शब्दकोश, इंटरनेट या अपने शिक्षकों की सहायता ले सकते हैं।

पंक्तियाँ	भावार्थ
1. राणा प्रताप के घोड़े से पड़ गया हवा को पाला था।	1. शत्रु की सेना पर भयानक बज्रमय बादल बनकर टूट पड़ता और शत्रुओं का नाश करता।
2. वह दौड़ रहा अरि-मस्तक पर, या आसमान पर घोड़ा था।	2. हवा से भी तेज दौड़ने वाला चेतक ऐसे दौड़ लगा रहा था मानो हवा और चेतक में प्रतियोगिता हो रही हो।
3. जो तनिक हवा से बाग हिली लेकर सवार उड़ जाता था।	3. शत्रुओं के सिर के ऊपर से होता हुआ एक छोर से दूसरे छोर पर ऐसे दौड़ता जैसे आसमान में दौड़ रहा हो।
4. राणा की पुतली फिरी नहीं, तब तक चेतक मुड़ जाता था।	4. चेतक की फुर्ती ऐसी कि लगाम के थोड़ा-सा हिलते ही सरपट हवा में उड़ने लगता था।
5. विकराल बज्र-मय बादल-सा अरि की सेना पर घहर गया।	5. वह राणा की पूरी निगाह मुड़ने से पहले ही उस ओर मुड़ जाता अर्थात वह उनका भाव समझ जाता था।

पंक्तियाँ	भावार्थ
1. राणा प्रताप के घोड़े से पड़ गया हवा को पाला था।	1. शत्रु की सेना पर भयानक बज्रमय बादल बनकर टूट पड़ता और शत्रुओं का नाश करता ।
2. वह दौड़ रहा अरि-मस्तक पर, या आसमान पर घोड़ा था।	2. हवा से भी तेज दौड़ने वाला चेतक ऐसे दौड़ लगा रहा था मानो हवा और चेतक में प्रतियोगिता हो रही हो ।
3. जो तनिक हवा से बाग हिली लेकर सवार उड़ जाता था।	3. शत्रुओं के सिर से ऊपर से होता हुआ एक छोर से दूसरे छोर पर ऐसे दौड़ता जैसे आसमान में दौड़ रहा हो।

4. राणा की पुतली फिर नहीं, तब तक चेतक मुड़ जाता था।	4. चेतक की फुर्ती ऐसी कि लगाम के थोड़ा-सा हिलते ही सरपट हवा में उड़ने लगता था ।
5. विकराल बज्र-मय बादल सा अरि की सेना पर घहर गया।	5. वह राणा की पूरी निगाह मुड़ने से पहले ही उस ओर मुड़ जाता अर्थात वह उनका भाव समझ जाता था।

उत्तर:

1. → 2
2. → 3
3. → 4
4. → 5
5.→ 1

शीर्षक

यह कविता 'हल्दीघाटी' शीर्षक काव्य कृति का एक अंश है। यहाँ इसका शीर्षक 'चेतक की वीरता' दिया गया है । आप इसे क्या शीर्षक देना चाहेंगे और क्यों?

उत्तर:

'अरिहंत चेतक' क्योंकि वह पलक झपकते ही शत्रुओं को मार देता था।

कविता की रचना

"चेतक बन गया निराला था।"

"पड़ गया हवा को पाला था।"

"राणा प्रताप का कोड़ा था । "

" या आसमान पर घोड़ा था । "

रेखांकित शब्दों पर ध्यान दीजिए। ये शब्द बोलने-लिखने में थोड़े मिलते-जुलते हैं। इस तरह की तुकांत शैली प्रायः कविता में आती है। कभी-कभी कविता अतुकांत भी होती है। इस कविता में आए तुकांत शब्दों की सूची बनाइए ।

उत्तर:

उड़ / मुड़ चालों / भालों ढ़ालों / करवालों यहाँ / वहाँ जहाँ / कहाँ लहर / ठहर निषंग / अंग दंग / रंग ।

शब्द के भीतर शब्द

“या आसमान का घोड़ा था । ”

‘आसमान’ शब्द के भीतर कौन-कौन से शब्द छिपे हैं-

आस, समान, मान, सम, आन, नस आदि ।

अब इसी प्रकार कविता में से कोई पाँच शब्द चुनकर उनके भीतर के शब्द खोजिए ।

उत्तर:

1. चौकड़ी कड़ी, चौक, चौड़ी
2. सवार - सर, रस, वार
3. दिखलाया - दिख दिया, लाया
4. बादल - दल, बाद, बाल

पाठ से आगे

आपकी बात

” जो तनिक हवा से बाग हिली
लेकर सवार उड़ जाता था । ”

(क) ‘हवा से लगाम हिली और घोड़ा भाग चला’ कविता को प्रभावशाली बनाने में इस तरह के प्रयोग काम आते हैं। कविता में आए ऐसे प्रयोग खोजकर परस्पर बातचीत करें।

(ख) कहीं भी, किसी भी तरह का युद्ध नहीं होना चाहिए।
इस पर आपस में बात कीजिए ।

उत्तर:

(क) परीक्षोपयोगी नहीं है।

(ख) परीक्षोपयोगी नहीं है।

समानार्थी शब्द

कुछ शब्द समान अर्थ वाले होते हैं, जैसे- हय, अश्व और घोड़ा। इन्हें समानार्थी शब्द कहते हैं।

यहाँ पर दिए गए शब्दों से उस शब्द पर घेरा बनाइए जो समानार्थी न हों-

1.	हवा	अनल	पवन	बयार
2.	रण	तुरंग	युद्ध	समर
3.	आसमान	आकाश	गगन	नभचर
4.	नद	नाद	सरिता	तटिनी
5.	करवाल	तलवार	असि	ढाल

1.	हवा	अनल	पवन	बयार
2.	रण	तुरंग	युद्ध	समर
3.	आसमान	आकाश	गगन	नभचर
4.	नद	नाद	सरिता	तटिनी
5.	करवाल	तलवार	असि	ढाल

उत्तर:

1.	हवा	अनल	पवन	बयार
2.	रण	तुरंग	युद्ध	समर
3.	आसमान	आकाश	गगन	नभचर
4.	नद	नाद	सरिता	तटिनी
5.	करवाल	तलवार	असि	ढाल

आज की पहेली

बूझो तो जानें

• तीन अक्षर का मेरा नाम, उल्टा सीधा एक समान ।
दिन में जगता, रात में सोता यही मेरी पहचान ।।

उत्तर:

नयन

• एक पक्षी ऐसा अलबेला, बिना पंख उड़ रहा अकेला ।
बाँध गले में लंबी डोर पकड़ रहा अंबर का छोर ।

उत्तर:

पतंग

• रात में हूँ दिन में नहीं दीये के नीचे हूँ ऊपर नहीं
बोलो बोलो - मैं हूँ कौन?

उत्तर:

परछाई

• मुझमें समाया फल, फूल और मिठाई
सबके मुँह में आया पानी मेरे भाई ।

उत्तर:

गुलाब जामुन

• सड़क है पर गाड़ी नहीं, जंगल है पर पेड़ नहीं
शहर है पर घर नहीं, समंदर है पर पानी नहीं ।

उत्तर:

नक्शा

खोजबीन के लिए

प्रश्न 1.

महाराणा प्रताप कौन थे? उनके बारे में इंटरनेट या पुस्तकालय से जानकारी प्राप्त करके लिखिए ।

उत्तर:

विद्यार्थी स्वयं करें।

प्रश्न 2.

इस कविता में चेतक एक 'घोड़ा' है। पशु-पक्षियों पर आधारित पाँच रचनाओं को खोजिए और अपनी कक्षा की दीवार पत्रिका पर लगाइए ।

उत्तर:

नीलकंठ, गौरा, गिल्लू, वह चिड़िया जो, चालाक लोमड़ी।

पाठ्यपुस्तक के प्रश्न-अभ्यास

निबंध से

प्रश्न 1.

जिन लोगों के पास आँखें हैं, वे सचमुच बहुत कम देखते हैं-हेलेन केलर को ऐसा क्यों लगता था?

उत्तर-

हेलेन केलर ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि जो लोग किसी चीज को निरंतर देखने के आदी हो जाते हैं वे उनकी तरफ़ अधिक ध्यान नहीं देते। उनके मन में उस वस्तु के प्रति कोई जिज्ञासा नहीं रहती। ईश्वर की दी हुई देन का वह लाभ नहीं उठा। सकते।

प्रश्न 2.

'प्रकृति का जादू' किसे कहा गया है?

उत्तर-

प्रकृति का जादू वह है जो प्रकृति के रूप में नित्य कुछ-न-कुछ परिवर्तन करता है। प्रकृति अपने रूप के आकर्षण से हमें अपनी ओर जादू की तरह आकर्षित करती है। प्रकृति में विविधता है, अलग-अलग वृक्षों की अलग-अलग घुमावदार बनावट और उनकी छाल और पत्तियाँ होना, फूलों का खिलना, कलियों की पंखुड़ियों की मखमली सतह, बागों में पेड़ों पर गाते पक्षी, कलकल करते बहते हुए झरने, कालीन की तरह फैले हुए घास के मैदान आदि प्रकृति के जादू हैं।

प्रश्न 3.

'कुछ खास तो नहीं'-हेलेन की मित्र ने यह जवाब किस मौके पर दिया और यह सुनकर हेलेन को आश्चर्य क्यों नहीं हुआ?

उत्तर-

प्रकृति में चारों ओर देखने और समझने की बहुत सी चीजें हैं, फिर भी उनकी मित्र कह रही है कि मैंने कुछ खास नहीं देखा। लेखिका का मानना है कि वे कुछ भी देखना ही नहीं चाहती। वे उन चीजों की चाह ज़रूर करती हैं जो उनके आस-पास नहीं है।

प्रश्न 4.

हेलेन केलर प्रकृति की किन चीज़ों को छूकर और सुनकर पहचान लेती थीं? पाठ के आधार पर इसका उत्तर लिखो।

उत्तर-

हेलेन केलर प्रकृति की अनेक चीजों जैसे भोज-पत्र पेड़ की चिकनी छालं, चीड़ की खुरदरी छाल, टहनियों में नई, कलियों फूलों की पंखुड़ियों की बनावट को छूकर और सँघकर पहचान लेती है।

प्रश्न 5.

जबकि इस नियामत से जिंदगी को खुशियों के इंद्रधनुषी रंगों से हरा-भरा किया जा सकता है'। -तुम्हारी नज़र में इसका क्या अर्थ हो सकता है?

उत्तर-

हमारी आँखें अनमोल होती हैं। संसार की सारी खूबसूरती आँखों से ही है। जीवन के सभी रंग आँखों से ही हैं। अतः यह जिंदगी की बहुत बड़ी देन है। इसमें जिंदगी को रंगीन और खुशहाल बनाया जा सकता है और अपने सारे दुखों को भुलाया जा सकता है।

निबंध से आगे

प्रश्न 1.

आज तुमने घर से आते हुए बारीकी से क्या-क्या देखा-सुना? मित्रों के साथ सामूहिक चर्चा करो।

उत्तर-

आज जब मैं अपने घर से विद्यालय के लिए निकला तो चौराहे पर कुछ लोगों की भीड़ देखी। वे लोग हाथों में समाचार पत्र लिए हुए और किसी गंभीर मसले पर चर्चा कर रहे थे। इतने में मेरी स्कूल बस आ गई। थोड़ी आगे चलकर स्कूल बस भीड़ पर जाम में फँस गई। आगे जाने पर पता चला दुर्घटना हो गई है। एक वाहन उलटा पड़ा था। वहाँ का दृश्य देखकर मन दुखी हो गया। लगभग 15 मिनट बाद में विद्यालय पहुँचा। इसके बाद प्रार्थना में शामिल हुआ, फिर कक्षा में गया। उसके बाद धीरे-धीरे शांति का वातावरण छाया।

प्रश्न 2.

कान से न सुन पाने पर आस-पास की दुनिया कैसी लगती होगी? इस पर टिप्पणी लिखो और कक्षा में पढ़कर सुनाओ।

उत्तर-

कान से न सुन पाने पर दुनिया बड़ी विचित्र लगती है। आँखें तो सब कुछ देखती हैं, पर जब उन क्रिया कलापों की आवाज़ नहीं सुन पाते तब ऐसा प्रतीत होता है मानो बंद कानों से हम मूक फ़िल्मों की तरह देखते हैं। न सुनने के कारण व्यक्ति दूसरों से अपने विचारों का आदान-प्रदान सही रूप में नहीं कर पाता होगा।

प्रश्न 3.

तुम्हें किसी ऐसे व्यक्ति से मिलने का मौका मिले जिसे दिखाई न देता हो तो तुम उससे सुनकर, सँधकर, चखकर, छूकर अनुभव की जानेवाली चीज़ों के संसार के विषय में क्या-क्या प्रश्न कर सकते हो? लिखो।

उत्तर-

उनके अनुभव जानने के लिए निम्नलिखित प्रश्न कर सकते हैं-

- किसी भी ध्वनि को सुनकर वे कैसे अनुमान लगाते हैं कि ध्वनि किसकी है?
- किसी भी चीज़ को चखकर वे क्या हैं? और कैसा अनुभव करते हैं?
- क्या आप पक्षी की आवाज़ को सुनकर उसका नाम बता सकते हैं? यह कैसे संभव हो पाता है?
- क्या आप सँघकर बता सकते हैं कि यह कौन-सा फूल है?
- सँधकर अच्छी-बुरी चीज़ का अंदाजा किस हद तक लगा पाते हैं?

प्रश्न 4.

हम अपनी पाँचों इंद्रियों में से आँखों का इस्तेमाल सबसे ज्यादा करते हैं। ऐसी चीजों के अहसासों की तालिका बनाओ जो तुम बाकी चार इंद्रियों से महसूस करते हो-

सुनकर	चक्कर	सूँघकर	छूकर

उत्तर

सुनकर	चखकर	सूँघकर	छूकर
कोयल का मधुर स्वर, कौए की कर्कश आवाज़, माँ की नाराज़गी भरी पुकार, गीत सुनकर गायक की पहचान	सेब या आम की मिठास, अचार की खटास, मिर्च का तीखापन, इमली का चटपटा स्वाद स्वादिष्ट भोजन, कड़वी दवा	फूलों का गंध, पक रहे भोजन की गंध, गैस का रिसाव	बरफ़ की ठंडक,आग की गरमी, कपड़े के प्रकार की जानकारी, शरीर का तापमान

भाषा की बात

प्रश्न 1.

पाठ में स्पर्श से संबंधित कई शब्द आए हैं। नीचे ऐसे कुछ और शब्द दिए गए हैं। बताओ कि किन चीजों का स्पर्श होता है-

1. चिकना ....
2. मुलायम ....
3. खुरदरा ....
4. सख्त ....
5. चिपचिपा ....
6. भुरभुरा ....

उत्तर-

1. चिकना - तेल, घी, क्रीम में चिकनापन होना।
2. मुलायम - रेशमी कपड़ा
3. खुरदरा - लकड़ी व छाल खुरदरे होते हैं।
4. सख्त - लोहा, पत्थर, लकड़ी
5. चिपचिपा - गोंद
6. भुरभुरा - रेत भुरभुरा होता है।

प्रश्न 2.

अगर मुझे इन चीज़ों को छूने भर से इतनी खुशी मिलती है, तो उनकी सुंदरता देखकर तो मेरा मन मुग्ध ही हो जाएगा। ऊपर रेखांकित संज्ञाएँ क्रमशः किसी भाव और किसी की विशेषता के बारे में बता रही हैं। ऐसी संज्ञाएँ भाववाचक कहलाती हैं। गुण और भाव के अलावा भाववाचक संज्ञाओं का संबंध किसी की दशा और किसी कार्य से भी होता है। भाववाचक संज्ञा की पहचान यह है कि इससे जुड़े शब्दों को हम सिर्फ महसूस कर सकते हैं, देख या छू नहीं सकते।

आगे लिखी भाववाचक संज्ञाओं को पढ़ो और समझो। इनमें से कुछ शब्द संज्ञा और क्रिया से बने हैं। उन्हें भी पहचानकर लिखो-

- भोलापन
- मिठास
- बुढ़ापा
- भूख
- घबराहट
- क्रोध
- शांति
- बहाव
- मज़दूरी
- ताज़गी
- अहसास
- मीठा

उत्तर

भाववाचक संज्ञा	मूलशब्द	संज्ञा/विशेषण/क्रिया
मिठास	मीठा	विशेषण
भूख	भूखा	विशेषण
शांति	शांत	विशेषण
भोलापन	भोला	विशेषण
बुढ़ापा	बूढ़ा	विशेषण
घबराहट	घबराना	क्रिया
बहाव	बहना	क्रिया
फुर्ती	फुर्तीला	विशेषण
ताज़गी	ताज़ा	विशेषण
मज़दूरी	मज़दूर	संज्ञा
अहसास	अहसास	विशेषण

प्रश्न 3.

मैं अब इस तरह के उत्तरों की आदी हो चुकी हैं।

उस बगीचे में आम, अमलतास, सेमल आदि तरह-तरह के पेड़ थे।

ऊपर दिए गए दोनों वाक्यों में रेखांकित शब्द देखने में मिलते-जुलते हैं, पर उनके अर्थ भिन्न हैं। नीचे ऐसे कुछ और शब्द दिए गए हैं। वाक्य बनाकर उनका अर्थ स्पष्ट करो-

- अवधि - अवधी
- में - मैं
- ओर - और
- दिन - दीन
- मेल - मैल
- सिल - शील

उत्तर

- अवधि - यह प्रश्नपत्र पूरा करने की अवधि 3 घंटे है।
- अवधी - अवध क्षेत्र में अवधी भाषा बोली जोती है।
- में - सुमन से मेरी मुलाकात बगीचे में हुई।
- मैं - मैं दिल्ली का निवासी हूँ।
- मेल - मित्रों को आपस में मेल से रहना चाहिए।
- मैल - इस साबुन से कपड़े में मैल नहीं रहेगी।
- ओर - यह रास्ता मेरे घर की ओर जाता है।
- और - राम और श्याम भाई हैं।
- दिन - आज दिन बड़ा सुहाना है।
- दीन - हमें दीन-दुखियों की सहायता करनी चाहिए।
- सिल - माँ सिल पर मसाला पीस रही है।

- शील - शील स्वभाव के लोग सबको अच्छे लगते हैं।

अनुमान और कल्पना

प्रश्न 1.

इस तसवीर में तुम्हारी पहली नज़र कहाँ जाती है?

उत्तर-

इस तसवीर में मेरी पहली नजर आसमान । से आ रही रोशनी की तरफ जाती हैं।

प्रश्न 2.

गली में क्या-क्या चीजें हैं?

उत्तर-

गली में एक स्कूटर पर बैठा आदमी और साइकिल लेकर खड़ा व्यक्ति दिखाई दे रहा है। गली के एक ओर कुछ दुकानें हैं। दुकान की तरफ मुँह करके एक व्यक्ति खड़ा है। दुकानों की ऊपर की मंजिल की बालकनी से। कपड़े लटक रहे हैं। गली की दूसरी ओर कुछ साइकिलें और मोटर साइकिल खड़ी है, एक ऑटोरिक्शा भी खड़ा है।

प्रश्न 3.

इस गली में हमें कौन-कौन सी आवाजें सुनाई देती होंगी?

सुबह के वक्त

दोपहर के वक्त

शाम के वक्त

रात के वक्त

उत्तर-

- सुबह के वक्त गली में साइकिल की घंटियों, मंदिर के लाउडस्पीकरों, स्कूटर और
  ऑटोरिक्शा, दूधवाले तथा फेरीवालों की ध्वनियाँ सुनाई देती होंगी।
- दोपहर के वक्त फेरीवालों, ठेलेवालों और कबाड़ीवालों तथा स्कूल से वापस आते
  बच्चों की आवाज आती होगी।
- शाम के वक्त साइकिल की घंटियों, वाहनों का शोर, रेडियो पर बजते गानों, बच्चों के | खेलने की आवाजें और लोगों की बातचीत की आवाज भी आती होगी।
- रात के वक्त आते-जाते लोगों के कदमों की आवाज, कुत्तों के भौंकने की आवाज,
  चौकीदार के 'जागते रहो' और पुलिस गाड़ी के सायरन की आवाज आती होगी।

प्रश्न 4.

अलग-अलग समय में ये गली कैसे बदलती होगी?

उत्तर-

अलग-अलग समय में गली तो वही रहती होगी, बस वहाँ आने-जाने और रुकने वाले लोग बदलते होंगे। सुबह और शाम के समय वहाँ हलचल रहती होगी तथा दोपहर और शाम में शांति छाई रहती होगी।

प्रश्न 5.

ये तारें गली को कहाँ-कहाँ जोड़ती होंगी?

उत्तर-

बिजली की तारें गली को ट्रान्सफॉर्मर से जोड़ती होंगी। टेलीफोन की तारें दूर

स्थित मुख्य दूरभाष बक्से से जुड़ी होंगी। केबल की तारें किसी टी.वी. टावर से जुड़ी होंगी।

प्रश्न 6.

साइकिलवाला कहाँ से आकर कहाँ जा रहा होगा?

उत्तर-

साइकिलवाला घर से आकर कार्यालय जा रहा होगा।

कुछ करने को

- हेलेन केलर तथा लूई ब्रेल की जीवनी लिखो।
- किसी अपंग व्यक्ति की पढ़ाई-लिखाई में उसकी मदद करो।

सुनना और देखना

- एन०सी०ई०आर०टी० द्‌वारा निर्मित श्रव्य कार्यक्रम 'हेलेन केलर'।
- सई परांजपे द्‌वारा निर्देशित फ़ीचर फ़िल्म 'स्पर्श'।

परियोजना

एक पौधे का चित्र बनाकर और उस पर रंगीन फूल दर्शाओ।

अन्य पाठेतर हल प्रश्न

बहुविकल्पी प्रश्नोत्तर

(क) "जो देखकर भी नहीं देखते' पाठ के लेखक कौन हैं?

(i) प्रेमचंद

(ii) सुंदरा स्वामी

(iii) जया विवेक

(iv) हेलेन केलर

(ख) हेलेन केलर प्रकृति की चीजों को किस प्रकार पहचानती हैं?

(i) देखकर

(ii) सुंघकर

(iii) छूकर

(iv) दूसरों से उसका वर्णन सुनकर

(ग) लेखिका को किसमें आनंद मिलता है?

(i) लोगों से बात करने में

(ii) प्रकृति को निहारने में

(iii) फूलों की पंखुड़ियों को छूने और उसकी घुमावदार बनावट को महसूस करने में

(घ) लेखिका किसके स्वर पर मंत्रमुग्ध हो जाती है?

(i) कोयल के

(ii) मैना के

(iii) मोर के

(iv) चिड़िया के

(ङ) इनमें किस पेड़ की छाल चिकनी होती है?

(i) चीड़

(ii) भोज-पत्रे

(iii) पीपल

(iv) बरगद

उत्तर

(क) (iv)

(ख) (iii)

(ग) (iii)

(घ) (iv)

(ङ) (ii)

अतिलघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1.

लेखिका के कानों में किसके मधुर स्वर गूंजने लगते थे?

उत्तर-

लेखिका के कानों में चिड़ियों के मधुर स्वर गूंजने लगते थे।

प्रश्न 2.

लेखिका को प्रकृति के जादू का अहसास कब होता है?

उत्तर-

फूलों की पंखुड़ियों की मखमली सतह छूने और उनकी घुमावदार बनावट महसूस करने से लेखिका को प्रकृति के जादू का अहसास होता है।

प्रश्न 3.

इस दुनिया के लोग कैसे हैं?

उत्तर-

इस दुनिया के अधिकांश लोग संवेदनहीन हैं। वे अपनी क्षमताओं की कद्र करना नहीं जानते।

प्रश्न 4.

हेलेन केलर अपने मित्रों की परीक्षा क्यों लेती है?

उत्तर-

हेलेन केलर अपने मित्रों की परीक्षा यह परखने के लिए लेती है कि वे क्या देखते हैं।

प्रश्न 5.

लेखिका को झरने का पानी कब आनंदित करता है?

उत्तर-

लेखिका जब झरने के पानी में अँगुलियाँ डालकर उसके बहाव को महसूस करती है, तब वह आनंदित हो उठती है।

लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1.

लेखिका को किस काम से खुशी मिलती है?

उत्तर-

लेखिका को प्राकृतिक वस्तुओं को स्पर्श करने में खुशी मिलती है। वह चीज़ों को छूकर उनके बारे में जान लेती है। यह स्पर्श उसे आनंदित कर देता है।

प्रश्न 2.

मनुष्य का स्वभाव क्या है?

उत्तर

मनुष्य अपनी क्षमताओं की कदर नहीं करता। वह अपनी ताकत और अपने गुणों को नहीं पहचानता। वह नहीं जानता कि ईश्वर ने उसे आशीर्वाद स्वरूप क्या-क्या दिया है और उसका उपयोग नहीं कर सकता है। मनुष्य केवल उस चीज़ के पीछे भागता रहता है, जो उसके पास नहीं है। यही मनुष्य का स्वभाव है।

प्रश्न 3.

जिन लोगों के पास आँखें हैं, वे सचमुच बहुत कम देखते हैं- हेलेन केलर को ऐसा क्यों लगता है?

उत्तर-

लेखिका ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि जो लोग किसी चीज़ को निरंतर देखने के आदती हो जाते हैं, वे उनकी तरफ़ अधिक ध्यान नहीं देते। उनके मन में उस वस्तु के प्रति कोई जिज्ञासा नहीं रहती। ईश्वर की दी हुई देन का लाभ नहीं उठा पाते।

प्रश्न 4.

लेखिका ने किसे नियामत माना है? उससे क्या किया जा सकता है?

उत्तर

लेखिका दृष्टि को ईश्वरीय देन मानती है। दृष्टि ईश्वर द्वारा दी गई नियामत है। यह साधारण चीज़ नहीं। दृष्टि से हम जीवन में कई तरह की खुशियाँ प्राप्त कर सकते हैं। दृष्टि के द्वारा ही मानव सही उपयोग करके जितना चाहे उन्नति कर सकता है। दृष्टि जीवन में हर प्रकार के सुख पाने का माध्यम है। इसी से मनुष्य स्वावलंबी बन सकता है। समाज को भी उन्नत कर सकता है।

प्रश्न 5.

इस पाठ से हमें क्या प्रेरणा मिलती है?

उत्तर

इस पाठ से हमें यह प्रेरणा मिलती है कि जीवन में जीने के लिए मनुष्य के पास जो साधन उपलब्ध हो उनसे संतुष्ट रहना चाहिए।